प्रतिदिन अखबार
सोली
17
अमरावती, गुरुवार 14 मार्च 2019

दंगल गर्ल सान्या मल्होत्रा ने बड़े सधे कदमों के साथ फिल्मों में अपनी शुरुआत की. उसी का नतीजा है कि उसके बाद उन्होंने पटाखा और सुपरहिट फिल्म बधाई हो. में अहम भूमिका निभाई. आज भी उनके हिस्से में कई अच्छी फिल्में है. पेश है उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश

जी रही हूं अपना सपना

सान्या मल्होत्रा

कामयाबी के इस पथ पर कैसा महसूस कर रही हैं?

सच कहूं तो मैं वास्तव में अपना सपना जी रही हूं. जब मैं बच्ची थी, तो अक्सर शीशे के सामने एक्टिंग किया करती थी और बाद में जब मैंने कैमरे के सामने वही किया तो मुझे वास्तव में अविश्वनीय सी महसूस हुआ. मुझे कहीं भी पहुंचने या कुछ बनने की जल्दबाजी नहीं है. इसलिए मैं केवल अच्छे लोगों के साथ अच्छा काम करना चाहती हूं.

कामयाबी की लय को जारी रखने के लिए कोई दबाव भी महसूस करती है?

नहीं मुझे पर किसी प्रकार का कोई दबाव नहीं है. मुझे बहुत खुशी है कि मैं एक एक्ट्रेस हूं और इस तरह की शानदार फिल्मों में मैंने काम किया.मुझे सेट पर रहना पसंद है. दरअसल मैं हमेशा से यही करना चाहती थी और अगर मैं खुद पर दबाव डालूंगी तो मैं एक एक्ट्रेस या अपने सपने को जीने के सफर का मजा नहीं ले पाउंगी.इसलिए मुझ पर कोई दबाव नहीं है और मुझे वास्तव में खुशी है कि मेरी फिल्मों को इतना पसंद किया जा रहा है.

स्ट्रगल के दिनों की कोई सीख, जो अब काम आ रही है?

यही सीखा कि जो भी होना होता है अपन टाइम लेकर ही होता है. जब मुझे लंबे समय तक कल नहीं, आते थे तो मैं डिप्रैस हो जाती थी. मैं बहुत उदास रहने लगी थी. मैंने लोगों से बात करना बंद कर दिया था.इस डर से कि कोई काम के बारे में पूछेगा तो क्या जवाब दूंगी पर पापा मेरा हौसला बढ़ाते और धैर्य रखने के लिए कहते. खैर, मैंने धैर्य रखना सीख लिया है. अब मुझे चिंता नहीं होती क्योंकि मैंने एक ऐसा पीरियड देख लिया है, जब मेरे पास बिल्कुल भी काम नहीं था. उससे यह सीखा है कि आपके पास काम हो न हो आपको खुश रहना चाहिए.

फोटोग्राफ में आप मिलोनी नामक किरदार निभा रही है. मिलोनी और सान्या में कितनी समानताएं है?

मैं अपनी अगली फिल्म फोटोग्राफ के अपने कैरेक्टर मिलानी जैसी ही हूं क्योंकि वह भी इंट्रावर्ट है और मैं भी वैसी ही हूं.डायरेक्टर रितेश बत्रा की इस फिल्म में मेरे साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी है. मिलोनी जिस तरीके से सोचती है जैसी है, मैं काफी कुछ वैसी ही हूं.हालांकि मैं बधाई हो की रेने जैसी भी हूं. अगर कभी मेरी असल जिंदगी में बधाई हो जैसी सिचुएशन आती तो मैं भी रेने जैसा ही रिएक्ट करती, लेकिन मैं पटाखा को गेंदा कुमारी में असल जिंदगी में बिल्कुल रिलेट नहीं कर पाती. मैं उस जैसी लाउड नहीं हूं, लेकिन एक कलाकार के तौर पर वह भूमिका निभाना मेरे लिए चैलेंज था.

फोटोग्राफ में नवाजुद्दीन के साथ काम करने का अनुभव कैसा हुआ?

बेहतरीन अनुभव रहा. चूंकि वहां मेरी साइन की हुई ही फिल्म थी, इसलिए पता था कि नवाज सर से सीखने की बहुत कुछ मिलेगा. हालांकि मेरे अंदर बहुत नर्वसनेस भी थी.पहले कभी बात नहीं की थी नवाज से इसलिए सेट पर ही उनसे फ्रेंडली होने का मौंका मिला.

मुझे सेट पर रहना पसंद है. दरअसल, मैं हमेशा से यही करना चाहती थी और अगर मैं खुद पर दबाव डालूंगी तो मैं एक एक्ट्रेस या अपने सपने को जीने के सफर का मजी नहीं ले पाऊंगी.

यहां जरूरी है गॉडफादर

हालांकि यह फिल्म नहीं चली, लेकिन पूजा को लोगों ने पसंद जरूर किया. मोहनजोदाड़ो के काफी समय बाद अब जाकर पूजा के हाथ में कुछ हिंदी फिल्में आयी हैं. पेश है, उनसे हुयी बातचीत के प्रमुख अंश-

सबसे पहले आप अपनी फिल्म हाउसफुल 4 के बारे में बताए.

-यह सुपरहिट हाउसफुल सीरीज का चौथा भाग है, जो इस बार हॉरर कॉमेडी के तौर पर सामने आएगी. इस फिल्म का निर्देशन साजिद फरहाद की जोड़ी कर रही है. इसकी कहानी पुनर्जन्म पर आधारित है, जिसमें कॉमेडी का तड़का भी होगा. दरअसल हाउसफुल4 दो समय की कहानी है- एक वर्तमान, और एक भूतकाल, जिसे बाहुबली युग जैसा दिखाया जाएगा लेकिन इसके बावजूद यह फिल्म पूर्व की फिल्मों की तरह कॉमेडी ही होगी.

पहली बार कॉमेडी करने के बारे में क्या कहेगी.

-हां यह बात तो है और इसी बात को लेकर थोड़ा नर्वस व उत्साहित, दोनों हूं. यह मेरी पहली कॉमेडी फिल्म है, लेकिन उससे भी भी बड़ी बात यह है कि इसमें मुझे अक्षय कुमार और रितेश देशमुख जैसे बेहतरीन एक्टरों के साथ काम करने का मौका मिला है. ऐसे में मैं भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहूंगी. वैसे मुझे पता है कि लोगों को हंसाना कितना कठिन काम है.

सुनने में आया है कि रोहित शेट्टी की फिल्म सूर्यवंशी में भी आप काम करने जा रही है.

-फिलहाल मैंने इस फिल्म को साइन नहीं किया है, लेकिन अगर मैं इस फिल्म का हिस्सा बनती हूं तो यह मेरे लिए गर्व का विषय होगा क्योंकि रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म में मुझे अक्षय कुमार के अपोजिट काम करने का मौका मिलेगा. हालांकि मुझे पता है कि इस फिल्म में हीरोइन का स्पेस कम है क्योंकि रोहित की कुछेक फिल्मों को छोड़कर हर एक फिल्म अमूमन ऐसी ही होती है. सूर्यवंशी भी चूंकि कॉप ड्रामा है, इसलिए फिल्म में फीमेल लीड को कम ही स्पेस मिलने वाली है.

और मगधीरा के हिंदी रीमेक की क्या प्रोग्रेस है.

-मगधीरा के रीमेक की चर्चा तो लंबे समय से है,लेकिन अब तक योजना साकार नहीं हो पायी है. अब तक इस दिशा में काम ही चल रहा है. इसमें शाहिद कपूर हीरो होंगे. मगधीरा के रीमेक के संबंध में जल्दी ही घोषणा हो सकती है.

क्या फिल्म इंडस्ट्रीज में गॉडफादर का होना जरूरी मानती है.

-हां, क्योंकि बिना गॉडफादर के फिल्म उद्योग में आना और यहां पर टिकना आसान नहीं है.जब आप किसी की छत्रछाया में रहते है तो आपको उचित अनुचित के बारे में मशविरा मिलता रहता है,जिससे सफलता की राह आसान हो जाती है. हालांकि कइ बार गॉडफादर होने के बावजूद सफलता धीरे-धीरे मिलती है,लेकिन यह कोई समस्या नहीं है.

बॉलीवुड में हीरोइन की कम फीस हमेशा से एक बड़ा मुद्दा रहा है. आपका क्या कहना है.

-हीरोइनों को भी उचित फीस मिलनी ही चाहिए क्योंकि अब हीरोइनें भी अकेले ही बॉक्स आफिस संभाल रही है. मेरा मानना है कि अगर एक हीरोइन भी अपने कंधों पर फिल्म को सफलता से खींच रही है और 100 करोड़ की कमाइ करके दे रही है तो उसे भी उतनी ही फीस मिलनी चाहिए जितनी हीरो को मिलती है.कइ फिल्मों ने यह साबित कर दिखाया है कि हीरोइनें भी अपने कंधों पर फिल्म खींच सकता है.

जब आप किसी की छत्रछाया में रहते है तो आपको उचित अनुचित के बारे में मशविरा मिलता रहता है, जिससे सफलता की राह आसान हो जाती है. हालांकि, कई बार गॉडफादर होने के बावजूद सफलता धीरे धीरे मिलती है. पूजा हेगड़े ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत तमिल फिल्म मुगमोदो से की थी. उसके बाद वह नागा चैतन्य के साथ तेलूगू फिल्म ओका लैला कोसम में नजर आयी. फिर चिरंजीवी के भतीजे वरुण तेज के साथ फिल्म मुकुंद में दिखी. उसके बाद आशुतोष गोवारीकर निर्देशित रितिक रोशन स्टारर हिंदी फिल्म मोहनजोदाड़ो के जरिए बालीवुड में कदम रखा.

निमरत को मिला सरप्राइज

हॉलीवुड सीरीज 'होमलैंड' के अंतिम सीजन में वैम्प का रोल निभाने के लिये निमरत कौर की वापसी हुई है जो उसके लिये किसी सरप्राइज से कम नहीं है. उसके अनुसार यह रोल निभाना उसके अब तक के केरियर का सबसे अच्छा और रोमांचक साबित हुआ है. निमरत इस सीरीज के चौथे सीजन में पाकिस्तान की आयएमआयी एजेन्ट तसनीम कुरैशी की भूमिका निभायी थी. और अब उसके हालिया आठवें सीजन में उसे फिर से काम करने का मौका मिला है. उसका कहना है कि उसने सोचा भी नहीं था कि यह रोल करने का मौका उसे फिर से मिलेगा इसलिये यह रोल उसके लिये किसी सरप्राइज से कम नहीं है. पूछे जाने पर कि शो के आखरी हिस्से में वापसी पर वह कैसा महसूस कर रही है. उसने कहा, 'यह अद्भुत था. सभी कलाकारों के साथ काम करने का मौका अद्भुत रहा. इसके लेखक बहुत प्रतिभाशाली हैं. पहली बार नकारात्मक भूमिका निभाना बहुत अद्भुत रहा. यह मौका मेरे लिये बहुत रोमांचक और मजेदार साबित हुआ है.'

इससे पहले निमरत को भारतीय वेब सीरीज 'द टैस्ट केस' में भी देखा गया था जिसमें उसके अभिनय की काफी प्रशंसा हुई थी.

नई बात नहीं हैं महिला केंद्रित फिल्मे - ऋचा

बॉलीवुड में एक दमदार अभिनेत्री की छवि बना चुकी ऋचा चढ्ढा कुछ फिल्मों को महिला केंद्रित फिल्में पुकारे जाने से सहमत नहीं है परंतु उसे लगता है कि लोग ऐसा कहते रहेंगे क्योंकि भारत में अभी इसे लेकर लोगों की सोच में बड़ा बदलाव होना बाकी है. उसके अनुसार उसने महिला केंद्रित फिल्मों की बात 2012 में श्रीदेवी की फिल्म इंगलिश विगलिश के वक्त से सुननी शुरु की थी जबकि नूतन, नर्गिस, श्रीदेवी से लेकर रानी मुखर्जी तक इससे पहले ही इस तरह की फिल्मों में अपनी धाक जमा चुकी थी.

उसने कहा-इन्होंने अपने दम पर फिल्मों को सफल बनाया है.इसके अलावा स्मिता पाटिल,शबाना आजमी, दीप्ती नवल, मीता वशिष्ठ तथा नीना गुप्ता आदि के साथ एक समानांतर सिनेमा भी फलता-फूलता रहा है.ये सभी महान अभिनेत्रियां है, जिन्होंने बहुत अच्छा काम किया है.

ऋचा कहती हैं, मुझे महिला केंद्रित फिल्मों की धारणा में विश्वास नहीं है. मुझे यह पसंद नहीं है. जब कोई मुझसे इस बारे में बात करता है तो मैं उससे एक ही सवाल पूछती हूं कि अन्य फिल्मों को पुरुष केंद्रित फिल्में क्यों नहीं कहते है. गौरतलब है कि इन दिनों ऋचा अपनी अगली फिल्म शकीला में बिजी है,जो लोकप्रिय मलयालम एडल्ट स्टार रही एक्ट्रेस शकीला खान की बायोपिक है.

90 के दशक में साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सेक्स सिम्बल के रुप में मशहूर शकीला ने तमिल,तेलुगु, मलयालम तथा कन्नड भाषा की अनेक अडल्ट फिल्मों में काम किया था.ऋचा की इस फिल्म की तुलना विद्या बालन की सुपरहिट फिल्म द डर्टी पिक्चर से हो रही है.

बहुत खुश है वाणी

वाणी अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर बहुत खुश है. रणवीर कपूर के अपोजिट फिल्म 'शमशेरा' की शूटिंग कर रही वाणी कपूर पिछली बार आदित्य चोपड़ा की फिल्म 'बेफिक्रे' में नजर आयी थीं. फिल्म 'शमशेरा' की कहानी 1800 के आसपास बुनी गयी है, जो अंग्रेजों से आजादी हासिल करने के लिये एक डर्कत कबीले के संघर्ष पर आधारित है. फिल्म 'शमशेरा' में वाणी कुछ स्टंट्स भी करती नजर आ सकती हैं. अपने रोल के बारे मे वाणी बताती हैं 'यह एकदम अलग तरह का रोल है जो मैं पहली बार निभा रही हूं. दर्शकों को भी इस तरह के रोल कम देखने को मिलते हैं. हो सकता है मैं इस फिल्म में कुछ एक्शन सीन भी करूं. इसमें और भी बहुत कुछ दिलचस्प देखने को मिलेगा. फिल्म में संजय दत्त विलेन के रोल में नजर आयेंगे.' इसमें काम करने को लेकर अपने अब तक के अनुभवों को साझा करते हुए वाणी ने बताया कि, 'मैं एक गैर फिल्मी परिवार से हूं और इंडस्ट्री में किसी के साथ जल्दी खुल नहीं पाती हूं लेकिन रणवीर ने मुझे कंफर्टेबल महसूस करने में बड़ी मदद की.